

# NEXT IAS

## दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

---

पश्चिम अफ्रीका पर भारत का रणनीतिक  
फोकस

---

[www.nextias.com](http://www.nextias.com)

## पश्चिम अफ्रीका पर भारत का रणनीतिक फोकस

### सन्दर्भ

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नाइजीरिया की हालिया यात्रा भारत-अफ्रीका संबंधों में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है, जो वैश्विक दक्षिण में अपनी भूमिका को मजबूत करने की भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को दर्शाती है।
  - यह 17 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नाइजीरिया की पहली यात्रा है, जो पश्चिम अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र के साथ द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के महत्व का प्रतीक है।
  - यह क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत के रणनीतिक प्रयासों को उजागर करता है।

### रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करना

- **भारत की भूमिका की मान्यता:** प्रधानमंत्री को नाइजीरिया के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय पुरस्कार, ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर से सम्मानित किया गया, जो नाइजीरिया द्वारा भारत को एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी के रूप में मान्यता देने पर बल देता है।
  - यह मान्यता भारत को पश्चिम अफ्रीका में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करती है।
- **रक्षा और सुरक्षा सहयोग:** भारत आतंकवाद विरोधी अभियानों और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के माध्यम से बोको हराम एवं अन्य चरमपंथी समूहों का सामना करने में नाइजीरिया का समर्थन करता है।
  - नाइजीरिया ने भारतीय हथियारों में रुचि व्यक्त की है, जो अफ्रीका के लिए एक प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।
- **विकास सहायता:** भारत ने 100 मिलियन डॉलर के रियायती ऋण प्रदान किए हैं और क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो सतत जुड़ाव का एक मॉडल प्रदर्शित करता है।
  - ये प्रयास बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा पर केंद्रित हैं।
- **साझा वैश्विक दक्षिण आकांक्षाएँ:** दोनों राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी आवाज़ को बढ़ाना चाहते हैं, जो समान विकास और सतत विकास का समर्थन करते हैं।

### भारत और पश्चिम अफ्रीका संबंध

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से नाइजीरिया और सामान्य रूप से पश्चिम एशिया के साथ गहरे द्विपक्षीय और क्षेत्रीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** पश्चिम अफ्रीका के साथ भारत के संबंध औपनिवेशिक युग से हैं, दोनों क्षेत्रों ने उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष का इतिहास और स्वतंत्रता के बाद के विकास के लिए प्रतिबद्धता साझा की है।
  - भारत का पश्चिम अफ्रीका के साथ जुड़ाव लगातार बढ़ रहा है, जो रणनीतिक साझेदारी, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा चिह्नित है, जो क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास एवं आर्थिक सहयोग पर केंद्रित है।

- **आर्थिक और व्यापार संबंध:** भारत पश्चिम अफ्रीका से कच्चे तेल, सोने और कृषि उत्पादों सहित विभिन्न प्रकार के सामान आयात करता है, जबकि फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी एवं वस्त्र निर्यात करता है।
  - अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (AfCFTA) भारतीय व्यवसायों के लिए एकीकृत अफ्रीकी बाजार में प्रवेश करने के नए अवसर प्रस्तुत करता है।
  - नाइजीरिया के साथ संबंधों को मजबूत करने से भारत को क्षेत्रीय गतिशीलता को प्रभावित करने और अफ्रीका के राजनीतिक एवं आर्थिक ढांचे में अपनी स्थिति मजबूत करने की अनुमति मिलती है।
- **सुरक्षा सहयोग:** आतंकवाद, समुद्री डकैती और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी चुनौतियों के साथ, भारत ने रक्षा आपूर्ति एवं आतंकवाद निरोधी प्रशिक्षण, उपकरण तथा बoko हराम जैसे समूहों के खिलाफ आतंकवाद निरोधी अभियानों के लिए सहायता की पेशकश की है।
  - नाइजीरिया ने भारतीय हथियारों और रक्षा प्रौद्योगिकियों में रुचि दिखाई है।
  - भारत अफ्रीका में एक प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो नाइजीरिया, मिस्र और तंजानिया जैसे देशों को सेवाएं प्रदान करता है।
- **राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध:** अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र के रूप में नाइजीरिया, पश्चिम अफ्रीका एवं अफ्रीकी महाद्वीप में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
  - उच्च स्तरीय यात्राओं, द्विपक्षीय समझौतों और बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी ने राजनीतिक संबंधों को मजबूत किया है। इसमें शामिल हैं:
  - भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन: इस मंच ने भारत और अफ्रीकी देशों, जिनमें पश्चिम अफ्रीका के देश भी शामिल हैं, के बीच संवाद एवं सहयोग को सुगम बनाया है।
- **शांति स्थापना:** भारत ने क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए पश्चिम अफ्रीका में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में योगदान दिया है।
- **स्वास्थ्य और शिक्षा:** भारत का दवा उद्योग नाइजीरिया को सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि शैक्षिक आदान-प्रदान और छात्रवृत्तियाँ एक कुशल कार्यबल बनाने में सहायता करती हैं।
  - भारत पश्चिम अफ्रीका में क्षमता निर्माण में एक प्रमुख खिलाड़ी रहा है, जो छात्रों और पेशेवरों को छात्रवृत्ति एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।
  - पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना जैसी पहलों ने पूरे महाद्वीप में शैक्षिक और चिकित्सा पहुंच को बढ़ाया है।
- **विकासात्मक सहायता:** भारत ने रियायती ऋण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से नाइजीरिया को विकासात्मक सहायता प्रदान की है।
  - इसमें भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC) कार्यक्रम के तहत पहल शामिल हैं, जिसका उद्देश्य मानव संसाधन विकास एवं संस्थागत क्षमता को बढ़ाना है।
- **वैश्विक दक्षिण नेतृत्व:** भारत और नाइजीरिया दोनों ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को बढ़ाने की आकांक्षा रखते हैं, जो समान विकास तथा सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

## पश्चिम अफ्रीका में भारत के लिए चुनौतियाँ

- **चीनी प्रभुत्व:** 47 बिलियन डॉलर से अधिक के निवेश के साथ, चीन का नाइजीरिया के बुनियादी ढांचे, दूरसंचार और खनन क्षेत्रों में मजबूत दबदबा है।
  - लेक्की डीप सी पोर्ट और अबुजा लाइट रेल जैसी परियोजनाएँ चीन के प्रभाव को उजागर करती हैं।
  - नाइजीरिया के दूरसंचार क्षेत्र और साइबर सुरक्षा में हुआवेई की महत्वपूर्ण उपस्थिति भारतीय तकनीकी कंपनियों के लिए एक चुनौती है।
- **व्यापार में अस्थिरता:** रूस से भारत के बढ़ते तेल आयात के कारण व्यापार में गिरावट। चीन और पश्चिम अफ्रीकी देशों के बीच व्यापार की मात्रा में वृद्धि हुई है, जिसमें चीन ने तेल, खनिज और कृषि उत्पादों का महत्वपूर्ण मात्रा में आयात किया है।
  - इसने पश्चिम अफ्रीकी देशों को चीनी बाजारों और प्रौद्योगिकी तक पहुँच प्रदान की है। नाइजीरिया चीन का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और अफ्रीका में इसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
  - दूसरी ओर, चीन नाइजीरिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।
- **राजनीतिक और सैन्य संबंध:** चीन ने कूटनीतिक जुड़ाव और सैन्य सहयोग के माध्यम से पश्चिम अफ्रीकी देशों के साथ अपने राजनीतिक संबंधों को मजबूत किया है।
  - क्षेत्र में विभिन्न संयुक्त राष्ट्र मिशनों में चीनी शांति सैनिकों को तैनात किया गया है, और चीन ने कई पश्चिम अफ्रीकी देशों को सैन्य सहायता एवं प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिससे क्षेत्र में भारत के प्रभाव को चुनौती मिल रही है।

## भारत का रणनीतिक लाभ

- **स्थिरता पर ध्यान:** भारत नवीकरणीय ऊर्जा में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर नाइजीरिया के हरित ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का समर्थन कर सकता है।
  - जलवायु परिवर्तन और संसाधन प्रबंधन जैसी वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करता है।
- **क्षेत्रीय नेतृत्व को मजबूत करना:** नाइजीरिया के साथ साझेदारी करके, भारत वैश्विक दक्षिण में एक नेता के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करता है, न्यायसंगत व्यापार और विकास को बढ़ावा देता है।

## आगे की राह

- **राजनयिक जुड़ाव में वृद्धि:** नियमित उच्च-स्तरीय यात्राएँ और संवाद राजनीतिक संबंधों को मजबूत कर सकते हैं और आपसी चिंताओं को दूर कर सकते हैं। अफ्रीकी मामलों के लिए विदेश मंत्रालय में एक समर्पित सचिव की स्थापना प्रयासों को सुव्यवस्थित कर सकती है।
- **डिजिटल अर्थव्यवस्था:** सूचना प्रौद्योगिकी में भारत की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर पश्चिम अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं के डिजिटल परिवर्तन का समर्थन किया जा सकता है, जिससे नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है।

- **व्यापार सुविधा:** व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाना और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना भारतीय व्यवसायों के लिए बाज़ार पहुँच को बढ़ा सकता है। द्विपक्षीय व्यापार समझौते और क्षेत्रीय सहयोग ढाँचे इन प्रयासों का समर्थन कर सकते हैं।
- **बुनियादी ढाँचा विकास:** भारत परिवहन, ऊर्जा और डिजिटल परियोजनाओं में निवेश करके बुनियादी ढाँचे की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी ऐसे निवेशों के लिए एक व्यवहार्य मॉडल हो सकती है।
- **सुरक्षा सहयोग:** संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सहयोग के माध्यम से सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना सामान्य सुरक्षा खतरों को संबोधित कर सकता है।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम:** सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों एवं शैक्षिक पहलों को बढ़ावा देने से सांस्कृतिक अंतर को समाप्त किया जा सकता है और दीर्घकालिक संबंध बनाए जा सकते हैं। भारत में पश्चिम अफ्रीकी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और प्रशिक्षण कार्यक्रम लाभकारी हो सकते हैं।

### निष्कर्ष

- नाइजीरिया और पश्चिम अफ्रीका के साथ भारत का जुड़ाव अर्थव्यवस्था से परे स्थायी साझेदारी को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- चुनौतियों का समाधान करके, रणनीतिक लाभों का लाभ उठाकर और आपसी विकास को बढ़ावा देकर, भारत अफ्रीका के विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है, वैश्विक दक्षिण में अपने प्रभाव को मजबूत कर रहा है और साझा समृद्धि का भविष्य सुनिश्चित कर रहा है।

### दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न.** पश्चिम अफ्रीका के साथ भारत का संबंध अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में किस सीमा तक सफल रहा है, तथा इस संबंध को मजबूत बनाने में क्या चुनौतियां बनी हुई हैं?